पर्यवेक्षण

अर्थ - पर्यवेक्षण शब्द अंग्रेजी के शब्द 'सुपरविजन' का हिन्दी रूपान्तर है जिसका अर्थ होता है कि वह श्रेष्ठ दृष्टि जो स्थिति का सही आंकलन कर सम्बन्धित क्षेत्र का भावी विकास कर सके। सूक्ष्म, श्रेष्ठ निरीक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्यों के विवेचन से भावी शैक्षणिक गुणवत्ता का विकास करना।

परिभाषाएँ -

1.वसबी (1957) हैरिस (1963) कुर्टिन (1964) विल्स (1967) हैराल्ड एवं मूर (1968) के अनुसार पर्यवेक्षण का लक्ष्य शिक्षण में सुधार से सम्बन्ध रखता है।

2.नीगेल एवं इवांस के अनुसार पर्यवेक्षण के क्षेत्र के अन्तर्गत न केवल शिक्षक एवं विद्याभिभावक के शैक्षिक विकास को भी सम्मिलित करते हैं। **विलियम मेकाइवर** भी लगभग इन्हीं के समर्थक हैं।

3.विल्स के अनुसार आधुनिक पर्यवेक्षण, अध्यापन व अधिगम के श्रेष्ठ विकास में सहायक है।

4.राय हैराल्ड एवं मूर के अनुसार पर्यवेक्षण में वे प्रवृतियां आती हैं जिनका मूलत: सम्बन्ध उन परिस्थितियों के अध्ययन व सुधार से होता है जो प्रत्यक्षत: अधिगम, छात्र व शिक्षक के विकास से जुड़ी होती हैं। शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र में हुए अनुसंधान इस बात पर एकमत हैं कि पर्यवेक्षण मुख्य रूप से अनुदेशों में सुधार से सम्बन्ध रखता है।

4.बारबर्टन तथा ब्रूकनर ने आधुनिक पर्यवेक्षण की परिभाषा दी है जो अधिक व्यापक है। बारबर्टन तथा ब्रूकनर के अनुसार- पर्यवेक्षण एक विशेष तकनीकी सेवा है, जिसका मुख्य उद्धेश्य उन सभी तथ्यों का सामूहिक रूप से अध्ययन करना है, जिससे बालक की प्रगति व विकास हो सके। पर्यवेक्षक शिक्षा के सामान्य उद्धेश्यों के अनुरूप निर्देशन देता है। पर्यवेक्षण समग्र अधिगम-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में योगादन देता है, तथा इसमें सभी शिक्षक सहयोगी की भांति अधिगम में सुधार के लिए परस्पर सहयोग करते हैं।

उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि पर्यवेक्षण समग्र अध्यापन व अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करता है। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक व प्रशासक (पर्यवेक्षक) सभी का विकास सन्निहित है।

5.अमेरिका के राष्टींय शिक्षा संगठन (NEA) के प्राचार्यो के संगठन के अनुसार पर्यवेक्षण में निम्नलिखित बातों का समावेश किया जाता है-

(1) शिक्षण की कुशलता तथा बालकों की आवश्यकताओं का ज्ञान व सीखने की संस्थितियों का मूल्यांकन,

(2) शिक्षकों के शिक्षण में सुधार,

(3) बालकों की जांच,

(4) सहायक सामग्री का निर्माण ,

(5) पाठ्यक्रम सुधार तथा निर्माण के लिए शोध तथा

(6) शिक्षकों का व्यावसायिक नेतृत्व व सहयोग।

इस प्रकार पर्यवेक्षण, शिक्षा प्रशासन का एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण अंग है, जो समग्र अध्यापन व अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करता है।

पर्यवेक्षण की मुख्य विशेषताएँ-

(1)पर्यवेक्षण में परस्पर उचित मानवीय सम्बन्ध आवश्यक हैं।

(2)यह जनतन्त्रीय दर्शन पर आधारित है अत: जनतंत्रीय मूल्यों यथा-समानता, सहकार, व्यक्ति का सम्मान, सहयोग, तथा सहभागिता का पर्यवेक्षण में ध्यान रखना आवश्यक है।

(3)यह वैज्ञानिक है अत: पर्यवेक्षण में वैमाता, विश्वसनीयता तथा तथ्यों में क्रमब)ता आवश्यक है। पर्यवेक्षण निष्कर्ष संदेह से परे होने आवश्यक हैं।

(4)यह आधुनिक टैक्नोलॉजी पर आधारित है, अत: निरीक्षण आदि में आधुनिक तकनीकों एवं शैक्षिक टैक्नोलॉजी का प्रयोग आवश्यक है तथा पर्यवेक्षण के विविध कौशलों का ज्ञान पर्यवेक्षण के लिए आवश्यक है।

(5)इसमें परस्पर सहयोग आवश्यक है अत: प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए कोई न कोई पर्यवेक्षण का दायित्व स्वीकार करना आवश्यक है।

(6)इसका क्षेत्र मात्र कक्षा-कक्ष तक नहीं है, वरन् व्यापक है।

(7)प्रभावी परिणाम के लिए उचित प्रशिक्षण व नेतृत्व आवश्यक है।

(8)स्टाफ की नयी शिक्षण तकनीकों में अनुस्थापना आवश्यक है।

(9) नियमित प्रगति के लिए क्रियात्मक अनुसंधान अनवरत आवश्यक होते हैं।

पर्यवेक्षण का महत्व या पर्यवेक्षक के कार्य: पर्यवेक्षण के निम्न महत्व हैं;

1. **निर्देश जारी करना सुनिश्चित करता है**: पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करता है कि सभी निर्देशों को प्रत्येक कर्मचारी को सूचित किया जाए। शीर्ष-स्तर और मध्य स्तर, सभी निर्देशों की योजना बनाते हैं लेकिन निर्देश केवल पर्यवेक्षी स्तर प्रबंधन द्वारा जारी किए जाते हैं।

2. **नियंत्रण की सुविधा:** नियंत्रण का अर्थ है वास्तविक और नियोजित आउटपुट के बीच मेल। जब भी श्रमिक निरंतर पर्यवेक्षण या निगरानी में होते हैं तो चरण दर चरण जांच रखी जाती है और यदि वे योजना से भटक रहे हैं तो पर्यवेक्षक द्वारा तत्काल निर्देश जारी किए जाते हैं। इस निरंतर निगरानी के द्वारा, पर्यवेक्षण कार्य अधीनस्थों की गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित करता है।

3. **संसाधनों का इष्टतम उपयोग:** जब श्रमिकों की लगातार निगरानी या अवलोकन किया जाता है तो वे हमेशा संसाधनों का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करते हैं जिससे न्यूनतम अपव्यय होता है। लेकिन अगर श्रमिकों पर कोई पर्यवेक्षण या जाँच नहीं है, तो उनके परिणामस्वरूप संसाधनों की बर्बादी हो सकती है।

4. **अनुशासन:** पर्यवेक्षक के सख्त पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन कर्मचारियों और श्रमिकों को उनकी गतिविधियों में अधिक अनुशासित होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। पर्यवेक्षक के मार्गदर्शन में, कार्यकर्ता एक निश्चित या सख्त समय-सारणी का पालन करते हैं और योजनाओं को सही दिशाओं में निष्पादित करते हैं।

5. **प्रतिक्रिया:** पर्यवेक्षक सीधे अधीनस्थों के साथ काम कर रहे हैं। इसलिए वे अधीनस्थों की प्रतिक्रिया देने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं। वे प्रत्येक कार्यकर्ता के काम की रिपोर्ट करते हैं जो कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन का आधार बन जाता है। पर्यवेक्षक अधीनस्थों को शिकायतों, शिकायतों और अधीनस्थों की समस्याओं के बारे में प्रतिक्रिया देता है।

6. **सामूहिक एकता बनाए रखें**: पर्यवेक्षक अपने अधीन काम करने वाले श्रमिकों के बीच समूह एकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वह अपने विवादों को हल करके श्रमिकों के बीच सामंजस्य बनाए रखता है।

7. **प्रेरणा में सुधार करता है:** कर्मचारियों के प्रेरणा स्तर में सुधार के लिए पर्यवेक्षक के साथ संबंध एक बहुत अच्छा प्रोत्साहन है। कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हुए पर्यवेक्षक अधीनस्थों को उनकी सर्वोत्तम क्षमता के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

8. **संचार में सुधार:**पर्यवेक्षक सभी अधीनस्थों को निर्देश और आदेश जारी करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि ये निर्देश और आदेश सभी सदस्यों के लिए स्पष्ट हैं। लिंकिंग पिन या मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए पर्यवेक्षक वरिष्ठों और अधीनस्थों के बीच संचार की खाई को दूर करने की कोशिश करता है क्योंकि वह अधीनस्थों की शिकायतों और समस्याओं पर वरिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थों को निर्देश देता है।